विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा -षष्ठ दिनांक -04-06-2020

विषय -हिन्दी (व्याकरण) शिक्षक -पंकज सर

सुप्रभात बच्चों आज आप सब समास के बारे में अध्ययन करेंगे।

. अवययीभाव समास

जिस सामासिक पद का **पूर्वपद (पहला पद प्रधान)** प्रधान हो , तथा समासिक पद अव्यय हो , उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। इस समास में समूचा पद क्रियाविशेषण अव्यय हो जाता है। जैसे **प्रतिदिन , आमरण , यथासंभव** इत्यादि।

अन्य उदाहरण

प्रति + कूल = प्रतिकूल

आ + जन्म = आजन्म

प्रति + दिन = प्रतिदिन

यथा + संभव = यथासंभव

अनु + रूप = अनुरूप।

पेट + भर = भरपेट

आजन्म - जन्म से लेकर

यथास्थान - स्थान के अनुसार

आमरण - मृत्यु तक

अभूतपूर्व - जो पहले नहीं हुआ

निर्भय - बिना भय के

निर्विवाद - बिना विवाद के

निर्विकार - बिना विकार के

प्रतिपल - हर पल

अनुकूल - मन के अनुसार

अनुरूप - रूप के अनुसार

यथासमय - समय के अनुसार

यथाक्रम - क्रम के अनुसार

यथाशीघ्र - शीघ्रता से

अकारण - बिना कारण के

2. तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास का **उत्तरपद** अथवा **अंतिम पद प्रधान**होता है। ऐसे समास में परायः प्रथम पद विशेषण तथा द्वितीय पद विशेष्य होते हैं। द्वितीय पद के विशेष्य होने के कारण समास में इसकी प्रधानता होती है।
ऐसे समास तीन प्रकार के हैं तत्पुरुष , कर्मधारय तथा द्विगु।

तत्पुरुष समास के छः भेद हैं -

- **कर्म तत्पुरुष**
- **करण तत्पुरुष**
- **संप्रदान तत्पुरुष**
- **अपादान तत्पुरुष**
- **संबंध तत्पुरुष**

- **अधिकरण तत्पुरुष**

तत्पुरुष समास में दोनों शब्दों के बीच का कारक चिन्ह लुप्त हो जाता है।

राजा का कुमार = राजकुमार

धर्म का ग्रंथ = धर्मग्रंथ

रचना को करने वाला = रचनाकार